



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, २४ जनवरी, २०००/४ माघ, १९२१

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्मिक विभाग
मन्त्रिवालय प्रशासन सेवाएँ-१

अधिसूचना

शिमला-२, ३० दिसम्बर, १९९९

महारा कार्मिक (मन्त्रि प्रशासक) ए (३)-१/८५-१.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद ३०९ के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श पर, इस विभाग की अधिसूचना सम संख्या तारीख ११ अप्रैल, १९९७ द्वारा अधिसूचित कार्मिक विभाग (मन्त्रिवालय प्रशासन), हिमाचल प्रदेश में सहायक विधायी प्राध्यापक (अंग्रेजी) वर्ग-II (राजपत्रित) के पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों में और संशोधन कर नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

१. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(१) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश कार्मिक विभाग (मन्त्रिवालय प्रशासन) सहायक विधायी प्राध्यापक (अंग्रेजी) वर्ग-II (राजपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति (पहला संशोधन) नियम, १९९९ है।

(2) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किए जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे ।

2. अधिसूचना संख्या कार्मिक (सचि० प्रशा०-1) ए (3)-1/85-1, तारीख 11-4-1997 का संशोधन.—
अधिसूचना संख्या कार्मिक (सचि० प्रशा०-1) ए (3)-1/85-1, तारीख 11-4-1997 में शब्दों और कोष्ठकों
“सहायक विधायी प्रालोचन सहायक (अंग्रेजी)” जहाँ भी वे पाए हैं, के स्थान पर “वरिष्ठ विधि अधिकारी”
शब्द प्रतिस्थापित किया जाएगा ।

3. उपाबन्ध ‘प्र’ का संशोधन.—हिमाचल प्रदेश कार्मिक विभाग (सचिवालय प्रशासन) वरिष्ठ विधि अधिकारी
वर्ग-II (राजपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1997 के उपाबन्ध “अ” में,—

(क) स्तम्भ संख्या 1 के सामने विद्यमान उपाबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा,
अर्थात:—

“वरिष्ठ विधि अधिकारी”

(ख) स्तम्भ संख्या 2 के सामने विद्यमान उपाबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया
जाएगा, अर्थात:—

“3 (तीन)”

(ग) स्तम्भ संख्या 4 के सामने विद्यमान उपाबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा,
अर्थात:—

“रुपये 7220-220-8100-275-10300-340-10640 जमा रुपय 400/- प्रतिमाह
सचिवालय भत्ता ।”

(घ) स्तम्भ संख्या 11 के सामने विद्यमान उपाबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा,
अर्थात:—

“विधि विभाग में कार्यरत विधि अधिकारियों (अंग्रेजी) में से जिनका कम से कम तीन वर्ष का
नियमित या ग्रेड में 31-3-1998 तक की गई लगातार तदर्थ सेवा को सम्मिलित करके संयुक्त
नियमित सेवाकाल हो ।”

प्रोन्नति के सभी मामलों में पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व सम्भरण पद में 31-3-1998 तक
की गई निरन्तर तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, प्रोन्नति के लिये इन नियमों में यथाविहित सेवाकाल के लिए
इस शर्त के अधीन रहते हुए गणना में ली जाएगी, कि सम्भरण पद पर तदर्थ नियुक्ति/भर्ती एवं
प्रोन्नति नियमों के उपाबन्धों के अनुसार चयन की उचित प्रक्रिया को अपनाने के पश्चात् की गई थी :

परन्तु यह कि जहाँ उन सभी मामलों में जिनमें कोई कनिष्ठ व्यक्ति सम्भरण पद में अपने कुल
सेवाकाल 31-3-1998 तक तदर्थ आधार पर की गई तदर्थ सेवा सहित जो नियमित सेवा/नियुक्ति
के अनुसरण में हो, को शामिल करके के आधार पर उपर्युक्त निदिष्ट उपाबन्धों के कारण विचार
किए जाने का पात्र हो जाता है, वहाँ अपने-अपने प्रवर्ग/पद/कांडर में उससे वरिष्ठ सभी व्यक्ति
विचार किए जाने का पात्र हो जाता है, वहाँ उससे वरिष्ठ सभी व्यक्ति विचार किए जाने के पात्र
यसके जायेंगे और विचार करते समय सभी कनिष्ठ व्यक्ति से ऊपर रखे जायेंगे :

परन्तु उन सभी पदधारियों को जिन पर प्रोन्नति के लिये विचार किया जाना है की कम से कम
तीन वर्ष की न्यूनतम ग्रहता सेवा या पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों में विहित सेवा जो भी कम
हो, होगी :

परन्तु यह और भी कि जहाँ कोई व्यक्ति पूर्वगामी परन्तुक की अपेक्षाओं के कारण प्रान्ति किए जाने विचार के लिये अपात्र हो जाता है, वहाँ उससे कनिष्ठ व्यक्ति भी ऐसी प्रान्ति के विचार के लिये अपात्र समझा जाएगा।

स्पष्टीकरण.—अन्तिम परन्तुक के अन्तर्गत कनिष्ठ पदधारी प्रान्ति के लिये अपात्र नहीं समझा जायेगा यदि वरिष्ठ अपात्र व्यक्ति भूतपूर्व सैनिक है, जिसे डिमोबिलाईज्ड आर्म्ड फोर्सिस परसोनल (रिजर्वेशन आफ बैकेंसीज इन हिमाचल स्टेट नॉन टेक्नीकल सर्विसिज) रूलज, 1972 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो तथा इसके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिए गए हों या जिसे एक्स सविगमैन (रिजर्वेशन आफ बैकेंसीज इन दो हिमाचल प्रदेश टेक्नीकल सर्विसिज) रूलज, 1985 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो व इसके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिए गये हों।

- (2) इसी प्रकार स्थायीकरण के सभी मामलों में ऐसे पद पर नियुक्ति/प्रान्ति से पूर्व 31-3-98 तक की गई तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, सेवाकाल के लिए गणना में ली जाएगी, यदि तदर्थ नियुक्ति/प्रान्ति उचित चयन के पश्चात् और भर्ती एवं प्रान्ति नियमों के उपबन्धों के अनुसार की गई थी :

परन्तु 31-3-1998 तक की गई तदर्थ सेवा का गणना में लेने के पश्चात जो स्थायीकरण होगा उसके फलस्वरूप पारस्परिक वरीयता अपरिवर्तित रहेगी।

- (घ) स्तम्भ 17 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“सेवा में प्रत्येक सदस्य को समय-समय पर यथा संशोधित हिमाचल प्रदेश विभागीय परीक्षा नियम, 1997 में यथाविहित विभागीय परीक्षा पारित करनी होगी।”

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-
आयुक्त एवं सचिव।

[Authoritative English Text of Government Notification No. Per (SAS-I) A (3)-1/85-I, dated 30-12-1999 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

PERSONNEL DEPARTMENT
Secretariat Administration Services-I

NOTIFICATION

Shimla-2, the 30th December, 1999

No. Per (SAS-I) A (3)-1/85-I.—In exercise of the powers conferred by proviso to Article 309 of the Constitution of India, the Governor, Himachal Pradesh in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission is pleased to make the following Rules to amend Recruitment and Promotion Rules, for the post of Assistant Legislative Draftsman (English) Class-II (Gazetted) in the Department of Personnel (Secretariat Administration Services

Himachal Pradesh, notified by this department *vide* notification of even number, dated 11th April, 1997, namely:—

1. *Short title and commencement.*—(1) These Rules may be called the Assistant Legislative Draftsman (English) Class-II (Gazetted) Department of Personnel (Secretariat Administration Services), Himachal Pradesh Recruitment and Promotion (First Amendment) Rules, 1999.

(2) These Rules shall come into force from the date of publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

2. *Amendment of Notification No. Per. (SAS-I) A (3)-1/85-I, dated 11-4-1997.*—In notification No. Per (SAS-I) A (3)-1/85-I, dated 11-4-1997 for the words and brackets "Assistant Draftsman (English)" wherever they occur, the words "Senior Law Officer" shall be substituted.

3. *Amendment in Annexure "A".*—In Annexure "A" to the Senior Law Officer (Class-II Gazetted), Department of Personnel (Secretariat Administration) Recruitment and Promotion Rules, 1997 :—

(a) For the existing provisions against the Column No. 1, the following shall be substituted, namely:—

"Senior Law Officer."

(b) For the existing provisions against the Column No. 2, the following shall be substituted, namely:—

"3 (Three)"

(c) For the existing provisions against the Column No. 4, the following shall be substituted:—

"Rs. 7220-220-8100-275-10300-340-10640 Plus Rs. 400/- per month Secretariat Allowance".

(d) For the existing provisions against the Column No. 11, the following shall be substituted, namely:—

"By promotion from amongst Law Officers in the Law Department with at least 3 years regular service or regular with continuous *ad hoc* (rendered upto 31-3-1998) service if any, in the grade."

In all cases of promotion, the continuous *ad hoc* service rendered in the feeder post upto 31-3-1998, if any, prior to regular appointment to the post shall be taken into account towards the length of service as prescribed in these Rules for promotion subject to the condition that the *ad hoc* appointment/promotion in the feeder category had been made after following proper acceptable process of selection in accordance with the provisions of Recruitment and Promotion Rules:

Provided that in all cases where a junior person becomes eligible for consideration by virtue of his total length of service (including the service rendered on *ad hoc* basis upto 31-3-1998) followed by regular service/appointment in the feeder post in view of the provision referred to above, all persons senior to him in the respective category/post/cadre shall be deemed to be eligible for consideration and placed above the junior person in the field of consideration :

Provided that all incumbents to be considered for promotion shall possess the minimum qualifying service of at least 3 years or that prescribed in the Recruitment and Promotion Rules for the post, whichever is less :

Provided further that where a person becomes ineligible to be considered for promotion on account of the requirement of the preceding proviso, the person(s) junior to him shall also be deemed to be ineligible for consideration for such promotion.

Explanation.—The last proviso shall not render the junior incumbents ineligible for consideration for promotion if the senior ineligible persons happened to be *Ex-servicemen* recruited under the provisions of Rule 3 of Demobilised Armed Forces Personnel (Reservation of Vacancies in Himachal State Non-Technical Services) Rules, 1972 and having been given the benefit of the seniority thereunder or recruited under the provisions of Rule 3 of *Ex-servicemen* (Reservation of Vacancies in the Himachal Pradesh Technical Services) Rules, 1985 and having been given the benefit of seniority thereunder.

- (2) Similarly in all cases of confirmations continuous *ad hoc* service rendered on the feeder post upto 31-3-1998, if any, prior to the regular appointment against such post shall be taken into account towards the length of service, if the *ad hoc* appointment/promotion had been made after proper selection and in accordance with the provision of the Recruitment and Promotion Rules :

Provided that *inter-se* seniority as a result of confirmation after taking into account, *ad hoc* service rendered upto 31-3-1998 as referred to above shall remain unchanged.

- (d) For the existing provisions against Column No. 17, the following shall be substituted, namely :—

“Every member of the service shall pass the Departmental Examination as prescribed Examination Rules, 1997.”

By order,

Sd/-
Commissioner-cum-Secretary.

